आकांक्षा केंद्र: कोंडागांव की आदिवासी महिलाओं का हुनर

प्रकाशन: 22 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 19 नवंबर 2026 की रिपोर्ट, कोंडागांव, छत्तीसगढ़। GS-1: महिला सशक्तिकरण। GS-3: कौशल विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में चल रहा 'आकांक्षा - ग्रामीण कौशल एवं नवाचार केंद्र' (RSIC) चर्चा में है। नवंबर 2026 के समाचार-वृत्तांत के अनुसार, यह नीति आयोग समर्थित आधुनिक वस्त्र-निर्माण इकाई 102 स्थानीय निवासियों को औपचारिक रोजगार दे रही है, जिनमें 96 महिलाएँ हैं और अधिकांश आदिवासी समुदाय से हैं। उसी वृत्तांत के अनुसार नीति आयोग ने कौशल विकास, रोजगार और महिला-नेतृत्व वाली आजीविका के क्षेत्र में जिले की प्रगति की सराहना की है। राज्य सरकार के अनुसार केंद्र का लक्ष्य 300 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना है।

केंद्र क्या है

यह केंद्र जिले के फरसगांव विकासखंड के सुदूर ग्राम कोनगुड़ में नीति आयोग के सौजन्य से विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को उद्योग-आधारित कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने का स्थायी मॉडल बनाना है। राज्य सरकार के अनुसार केंद्र से प्रतिवर्ष 1,000 से 1,500 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने और 300 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। अगस्त 2026 में क्षेत्र के सांसद और विधायक ने प्रारंभिक प्रशिक्षण चरण के कामों का अवलोकन किया था।

संदर्भ: कोंडागांव की चुनौतियाँ

कोंडागांव आदिवासी-बहुल जिला है, जो लंबे समय तक माओवादी हिंसा से प्रभावित रहा और नीति आयोग के आकांक्षित जिलों (Aspirational Districts - पिछड़ेपन के संकेतकों पर तेज सुधार के लिए चुने गए जिले) में शामिल रहा है। जनगणना 2011 के अनुसार जिले का लिंगानुपात 1,033 प्रति 1,000 पुरुष और साक्षरता दर 57.31 प्रतिशत थी। ग्रामीण महिलाओं का काम ज्यादातर कम वेतन वाली कृषि मजदूरी तक सीमित रहा और गरीबी के कारण कई परिवारों को दूर-दराज पलायन करना पड़ा, जहाँ नियमित रोजगार की गारंटी नहीं थी।

काम का मॉडल

केंद्र ने मशीनें, प्रशिक्षण और बाजार-संपर्क सीधे उत्तरी बस्तर के गाँवों तक पहुँचाए। प्रशिक्षित महिलाएँ प्रमुख वाणिज्यिक ब्रांडों और सरकारी विभागों के लिए वर्दी और अन्य वस्त्रों के थोक ऑर्डर सिल रही हैं। अनियमित मौसमी मजदूरी की जगह उन्हें नियमित मासिक आय और कार्यक्षमता-आधारित प्रोत्साहन मिलता है। रिपोर्ट में केंद्र से जुड़ी यशोदा डर्रो इसे 'बिल्कुल नया जीवन शुरू करने' जैसा बताती हैं; माओवाद छोड़कर मुख्यधारा से जुड़े राजनू कोर्राम के अनुसार इस पहल ने महिलाओं को रेडीमेड गारमेंट क्षेत्र में सम्मान के साथ औपचारिक रोजगार का अवसर दिया है।

यह मॉडल क्यों महत्वपूर्ण है

इस पहल की विशेषता तीन चीजों का मेल है - कौशल प्रशिक्षण, उद्योग-भागीदारी और स्थानीय नियोजन। केवल प्रशिक्षण देने से रोजगार नहीं बनता; ऑर्डर और खरीददार तक पहुँच हो तभी आय टिकती है। दूसरा, विकास और शांति का संबंध: उग्रवाद से लौटे क्षेत्रों में सम्मानजनक आजीविका पुनर्वास और सामाजिक सामंजस्य का आधार बनती है। तीसरा, महिलाओं की नियमित आय से घरेलू निर्णयों में उनकी भूमिका और बच्चों की शिक्षा-स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर जुड़ा है।

आगे की राह

मॉडल की सफलता कुछ शर्तों पर टिकी है: ऑर्डर की निरंतरता, गुणवत्ता-मानक, सामाजिक सुरक्षा (स्वास्थ्य, पेंशन, बीमा) और अन्य जिलों में दोहराने की क्षमता। घोषणा और वास्तविक परिणाम अलग जाँच हैं, इसलिए रोजगार, आय और प्रतिधारण (retention) के नियमित आँकड़े जरूरी होंगे। त्रुटिहीन सिलाई की तरह विकास भी टिकाऊ कड़ियों से ही बनता है।

परीक्षा की दृष्टि से

मेंस में इस उदाहरण को महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, आकांक्षित जिला कार्यक्रम और नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों के विकास से जोड़ें। प्रिलिम्स में केंद्र का नाम, स्थान (कोनगुड़, फरसगांव, कोंडागांव, छत्तीसगढ़) और समर्थक संस्था (नीति आयोग) याद रखें। रोजगार के आँकड़े (102, जिनमें 96 महिलाएँ) रिपोर्टेड स्थिति हैं; लक्ष्य (300+) से भ्रमित न हों।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

'कौशल विकास तभी सशक्तिकरण बनता है जब वह स्थानीय उद्योग और बाजार से जुड़े।' आकांक्षा केंद्र, कोंडागांव के उदाहरण के साथ इस कथन का परीक्षण कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: ग्रामीण महिलाओं के श्रम-भागीदारी की सीमाओं और कौशल-आधारित औपचारिक रोजगार की जरूरत से शुरुआत कीजिए।

मुख्य भाग में: आकांक्षा केंद्र की विशेषताएँ - उद्योग-आधारित प्रशिक्षण, थोक ऑर्डर, नियमित आय, उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्र में पुनर्वास और महिला-नेतृत्व वाली आजीविका - पर चर्चा कीजिए। ऑर्डर-निरंतरता और सामाजिक सुरक्षा जैसी शर्तों का भी उल्लेख कीजिए।

निष्कर्ष में: निष्कर्ष दीजिए कि स्थानीय संदर्भ में तैयार किया गया बाजार-जुड़ा कौशल मॉडल ही टिकाऊ आजीविका और शांति दोनों का आधार बन सकता है।

स्रोत

1. Kondagaon tribal women skilling report,19 November 2026
2. छत्तीसगढ़ शासन जनसंपर्क विभाग: आकांक्षा केंद्र,21 अगस्त 2026

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

आकांक्षा केंद्र कहाँ स्थित है?

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के फरसगांव विकासखंड के ग्राम कोनगुड़ में।

केंद्र से कितने लोगों को रोजगार मिला?

रिपोर्ट के अनुसार 102 स्थानीय निवासियों को औपचारिक रोजगार मिला है, जिनमें 96 महिलाएँ हैं। 300 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार का लक्ष्य है।

केंद्र किस संस्था के सहयोग से बना?

राज्य सरकार के अनुसार यह केंद्र नीति आयोग के सौजन्य से विकसित किया जा रहा है।

pcsmantra.com